संख्या-183/2016/235/22-2-2016-17(104)/2016

प्रेषक,

सत्येन्द्र कुमार सिंह,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 30 सितम्बर, 2016***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुरेशचन्द्र पुत्र श्री नरायनदास, निवासी-जनपद-आगरा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-2563/प्रो0-5-दया0-अन्य-118/22-12-2015 दिनांक 25-01-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुरेशचन्द्र पुत्र श्री नरायनदस, निवासी-ग्राम गोपालपुरा, थाना-पिढौरा, जिला-आगरा का रहने वाला है। बन्दी द्वारा बिजली के तार गिरने से भैस के जलने पर हुए झगडे एवं पूर्व से चल रही रंजिश को लेकर दिनांक 18-01-2006 को 13 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर बन्दूकों व तमंचो से 02 व्यक्तियों की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-282/2006 में भा0द0वि0 की धारा-302/149,307/149,147,148,429/149 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, आगरा द्वारा दिनांक 21-04-2007 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी के 11 अन्य सहअभियुक्त कारागार में सजा भोग रहे है, 01 अन्य सहअभियुक्त की मृत्यु तथा 01 अन्य सहअभियुक्त मा0 सत्र न्यायालय द्वारा दोषमुक्त किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 08.09.2015 तक 09 वर्ष 07 माह 14 दिन की अपरिहार एवं 12 वर्ष 05 माह 00 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, द्वारा अपनी आख्या में अंकित किया गया है कि बन्दी के कृत्य से समाज में व्यापक प्रभाव पडा है तथा पीडित पक्ष आज भी भयभीत है, बन्दी द्वारा रिहा होने पर पुन: योजनाबद्ध तरीके से अपराध करने की पूर्ण सम्भावना है, पीडित पक्ष के भय को दृष्टिगत रखते हुए बन्दी को जेल में रहना आवश्यक है। बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस अधीक्षक की आख्या से सहमत होते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति ने अपनी आख्या में अंकित किया है कि बन्दी की काटी गयी सजा, कारित अपराध की प्रकृति, जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत सम्यक विचारोपरान्त समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की गयी है।

4- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विषयांकित बन्दी सुरेशचन्द्र (बन्दी संख्या-13044) पुत्र श्री नरायनदास, निवासी जनपद-आगरा की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दया याचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करे।

भवदीय,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-183/2016/235/(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, आगरा।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in